Nai Dunia (Indore), 28th November 2020, Page-4

आइआइटी इंदौर को एशिया में मिली 188वीं रैंक

क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग ● इंदौर ने बीते वर्ष का स्थान रखा बरकरार, मुंबई-दिल्ली फिसले

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। क्वाकुरैली साइमंड्स (क्यूएस) द्वारा जारी विश्वविद्यालयों की एशिया रैंकिंग-2021 में आइआइटी इंदौर को 188वीं रैंक मिली है। इस अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में आइआइटी मुंबई और दिल्ली फिसले हैं, लेकिन इंदौर अपना स्थान बरकरार रखने में सफल रहा।

क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में आइआइटी मुंबई को 37वीं रैंक मिली है, परंतु भारत के लिहजा से देखें तो वह पहले स्थान पर है। यहां 10401 विद्यार्थी और 974 स्टाफ है। 1964 में स्थापित आइआइटी मुंबई पिछले साल 34वें स्थान पर था। आइआइटी दिल्ली भी चार स्थान फिसलकर इस बार रैंकिंग तालिका में 47वें नंबर पर है। यहां 8058 विद्यार्थियों के लिए 778 का स्टाफ है। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस बैंगलुरु को बीते वर्ष के 51वें स्थान के बजाय इस वर्ष 56वीं रैंक से संतोष करना पड़ा है। यहां 4038 विद्यार्थियों के लिए 434 का स्टाफ है। इसी क्रम में आइआइटी खड़गपुर को 58वां, दिल्ली विश्वविद्यालय को 71वां और आआइटी कानपुर को 72वां स्थान मिला है। इसी क्रम में 2009 में स्थापित आइआइटी इंदौर 188वां क्रम बरकरार रखने में सफल रहा है। यहां 1348 विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए 141 लोगों का स्टाफ है। यहां दो इंटरनेशनल स्टूडेंट भी हैं। संस्थान के कार्यवाहक निदेशक प्रो. निलेश जैन ने कहा कि संस्थान में अकादमिक गुणवत्ता लगातार बेहतर करने के लिए छात्र-शिक्षक मिलकर काम कर रहे हैं।

650 संस्थानों को जगह

आइआइटी में शोध को लगातार बेहतर किया जा रहा है। यहां के विद्यार्थी देश के साथ विदेश में भी विभिन्न शोध कार्यों में संयुक्त रूप से प्रयासरत हैं। आने वाले वर्षों में संस्थान को इसका और भी लाभ मिलेगा। क्यूएस एशिया यूनिवर्सिटी रैंकिंग में पूरे महाद्वीप के शीर्ष 650 उच्च शिक्षण संस्थानों को जगह दी जाती है। रैंकिंग के लिए छह पैमानों पर शिक्षण संस्थानों को आंका जाता है। इसमें अकादमिक गुणवत्ता के साथ ही छात्र-शिक्षक अनुपात, प्रति शिक्षक शोध, अंतरराष्ट्रीय एक्सपोजर यानी शोध और एक्सचेंज प्रोग्राम में भागीदारी के साथ कर्मचारी-शिक्षकों के लिए काम का महौल भी शामिल है।

कैट में जूते पहनकर नहीं जा सकेंगे परीक्षार्थी

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आइआइएम) में प्रवेश के लिए 29 नवंबर को होने जा रही कॉमन एडमिशन टेस्ट (कैट) में अब कुछ ही घंटे बचे हैं। आखिरी समय में विद्यार्थियों को परीक्षा के नियमों को बारीकी से पढ़ने की जरूरत है। अब जितना समय बचा है उसमें कुछ नया पढ़ने के बजाय रिवीजन और मॉक टेस्ट पर ध्यान देना चाहिए। विशेषज्ञों की सलाह है कि मॉक टेस्ट में वही समय चुनें, जिस समय में विद्यार्थी द्वारा टेस्ट दिया जाना है। इस दौरान मास्क पहनकर मॉक टेस्ट देने की आदत बनाएं। चूंकि परीक्षा के दौरान लगातार मास्क पहनना होगा। इसके लिए अभी से विद्यार्थी तैयार रहें। तीन स्लॉट सुबह 8.30 से 10.30 बजे, दूसरा 12.30 बजे से 2.30 और शाम 4.30 बजे से 6.30 बजे के बीच टेस्ट लिए जाएंगे। टेस्ट

29 नवंबर को कॉमन एडमिशन टेस्ट में शहर से पांच हजार विद्यार्थी होंगे शामिल

शुरू होने के डेढ़ घंटे पहले विद्यार्थियों को रिपोर्टिंग करनी होगी। टेस्ट शुरू होने के 15 मिनट पहले प्रवेश बंद कर दिए जाएंगे। विद्यार्थियों को साथ में क्लीयर फोटो लगा एडमिट कार्ड, शपथ पत्र, ओरिजनल फोटो आइडी कार्ड ले जाना होगा। आइडी कार्ड में ध्यान रखें कि टेस्ट फॉर्म में जो नाम और जन्म तारीख भरी गई है, वही हों।

फ्रूट्स जूस और प्रॉपर नींद लें : टेस्ट में कोरोना गाइडलाइन का पालन विद्यार्थियों को करना होगा। साथ में ग्लव्स और सैनिटाइजर की 50 एमएल की बोतल ले जाना होगी। मास्क पूरे समय पहनना होगा और शारीरिक दूरी का पालन करना होगा। परीक्षा विशेषज्ञ आकाश सेठिया का कहना है कि टेस्ट वाले दिन खाने पर भी नियंत्रण रखें। हल्का खाना ही खाकर जाएं। अभी से पानी और फ्रूट्स जूस लेना शुरू कर दें। इस बार कोरोना महामारी के कारण कई विद्यार्थी अपने घर चले गए हैं। वे भी शहर में टेस्ट देने आएंगे। ऐसे विद्यार्थियों को भी कम से कम एक दिन पहले शहर पहुंच जाना चाहिए। इस दौरान यह भी ध्यान रखना है कि पूरी नींद लें। कई विद्यार्थी टेस्ट के कुछ दिन पहले भी रात-दिन तैयारी करते रहते हैं। ऐसे में उनकी नींद पूरी नहीं हो पाती है और इसका असर परीक्षा केंद्र के अंदर देखने को मिलता है। विद्यार्थियों की एनर्जी कम हो जाती है। सर्दी का मौसम है। ऐसे में विद्यार्थी हल्के गर्म कपड़े पहनें। इसमें ध्यान रखे कि कपड़ों में ज्यादा पॉकेट न हो। परीक्षा में जूते पहनकर नहीं आ सकते। चप्पल और सैंडिल पहन सकेंगे।

दोनों टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों की ज्यादातर सीटें भरीं, जेईई के हायर रैंक विद्यार्थी पहुंचे

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। डायरेक्टोरेट ऑफ टेक्निकल एजुकेशन (डीटीई) द्वारा आयोजित की जा रही कॉलेज लेवल काउंसिलिंग (सीएलसी) में शुक्रवार को शहर के दोनों टॉप इंजीनियरिंग संस्थानों में बची सीटों पर प्रवेश लेने बड़ी संख्या में विद्यार्थी पहुंचे। एसजीएसआइटीएस में 31 सीटें खाली थीं। इसके लिए करीब 150 विद्यार्थी पहुंचे। इसमें कंप्यूटर साइंस और इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ब्रांच में भी पांच सीटें खाली थीं। इन पर संस्थान को अच्छे विद्यार्थी मिले हैं। ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई) में 18 हजार और 33 हजार रैंक वाले विद्यार्थी ने भी प्रवेश लिया है। अब संस्थान में बायोमेडिकल ब्रांच में ईडब्ल्यूएस की केवल चार सीट बची हैं। उन्हें 28 नवंबर को होने वाले राउंड में भरा जाएगा।

आइईटी की 34 सीटों के लिए पहुंचे 250 विद्यार्थी : देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (आइईटी) की खाली 34 सीटों के लिए शुक्रवार को करीब 250 विद्यार्थी पहुंचे। संस्थान में इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंस्ट्रूमेंटेशन और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन ब्रांच की एक-एक सीट सहित सभी में प्रवेश हो चुके हैं। आइईटी के प्रशासनिक अधिकारी परेश आत्रे ने बताया कि इस बार कंप्यूटर साइंस और आइटी में ज्यादा विद्यार्थियों ने रिस्पांस दिखाया। एसजीएसआइटीएस के काउंसिलिंग प्रभारी भूपेंद्र कुमार मोरे का कहना है कि डीटीई ने अभी चार और पांच दिसंबर को भी काउंसिलिंग होगी।